H / ①

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.कॉम	वर्ष:: प्रथम वर्ष	सत्र:2021-22

विषय:वित्तीय लेखांकन

1	पाठ्यक्रम का कोड	C1-COMA1T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वित्तीय लेखांकन (प्रश्न पत्र) - 1
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	कोर
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (**Open For all**)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, छात्र निम्न में सक्षम होगा: • लेखांकन की मूल बातों का वैचारिक ज्ञान प्राप्त करना • उन घटनाओं की पहचान करें जिन्हें लेखांकन रिकॉर्ड में दर्ज करने की आवश्यकता है • GAAP के अनुसार वित्तीय लेनदेन रिकॉर्ड करने और रिपोर्ट तैयार करने का कौशल विकसित करना • लेखांकन जानकारी की भूमिका और इसकी सीमाओं का वर्णन करें • एकमात्र व्यापारी के लेखा प्रक्रिया और अंतिम खातों की तैयारी के ज्ञान से लैस • रोकड़ बही और पासबुक शेष के बीच अंतर के कारणों को पहचानें और उनका विश्लेषण करें • त्रुटियों और धोखाधड़ी के बढ़ते जोखिम के लिए प्रदान करने वाली परिस्थितियों को पहचानें
6	क्रेडिट मान	6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या 75 (प्रति सप्ताह घंटे में): **L:**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	लेखांकन :भारतीय इतिहास। परिभाषा, उद्देश्य, मूल अवधारणाएवंदोहरा प्रविष्टि प्रणालीके सिद्धांत जर्नल प्रविष्टि, खाते, सहायक पुस्तकें, तलपट भारतीय लेखा मानकों के परिचयका विस्तृत अध्ययन समायोजन के साथ अंतिम खाता तैयार करना	15
2	मूल्य ह्रास के लिए लेखांकन (लेखा मानक 6 के अनुसार), शाखा लेखे ,	15
3	अधिकार शुल्क खाते , विभागीय लेखे	15
4	गैर लाभकारी संस्थाओं के लेखे , प्रेषण खाते ,विनियोग लेखे	15

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष

(DR. PAVAN MISHRA)

5	साझेदारी खाते साझेदारी का विघटन दिवालिया सहितसाझेदारी फर्मों का एकीकरण , सीमित दायित्व साझेदारी का लेखांकन, फर्म का संयुक्त स्कंध प्रमंडल में परिवर्तन	15
6	कम्प्यूटरीकृत खाते :किसी भी लोकप्रिय लेखा सॉफ्टवेयर का उपयोग करके। एक कंपनी बनाना, विन्यास करना और सुविधाओं को सेट करना, लेखांकन बहीखाता और समूह बनाना, स्टॉक मदऔर समूह बनाना, वाउचर प्रविष्टि(प्रमाणको का रखरखाव के साथ), रिपोर्ट तैयार करना - कैश बुक, खाता बही खाता, परीक्षण शेष, लाभ और हानि खाता और बैलेंस शीट	15

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:वित्तीय खाता, मूल्यह्रास, लेखा मानक, शाखा खाता, रॉयल्टी खाता, साझेदारी खाता, कम्प्यूटरीकृत खाते।

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

स. क्र.	लेखक	पुस्तक का नाम	प्रकाशक
1	मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल की पुस्तक।		
2	शारदा गंगवार और एच.एन. मिश्रा	वित्तीय लेखांकन का परिचय	हिमालया पब्लि नागपुर
3	शुक्ल डॉ. एस.एम्.	वित्तीय लेखांकन	साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
4	अग्रवाल डॉमहेश	वित्तीय लेखांकन	रामप्रसाद एंड संस भोपाल
5	मेहता डॉ. संजय &ब्रह्मभट्ट	वित्तीय लेखांकन	देवी अहिल्या प्रकाशन इंदौर
6	Gupta R.L. and Radhaswamy M	Advance Accounting	S Chand & Sons New Delhi
7	Shukla & Grewal	Financial Accounting	S Chand & Sons
8	Maheshwari S.N.	An Introduction to Accountancy	Vikas publication New Delhi
9	मध्यप्रदेश हिंदी ग्रन्थ अकादमी द्वारा प्रकाशित इस विषय की पुस्तके		

(DR. PAVAN MISHRA)

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष

भाग अ- परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा :बी.कॉम.	वर्ष::प्रथम वर्ष	सत्र:2021-22
	विषय:व्यावसायिक नियमन रूपरेखा		

1	पाठ्यक्रम का कोड	C1 COMA 2T
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यावसायिक नियमन रूपरेखा समूह2(प्रश्न पत्र 2)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर.)	कोर
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	.इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र- छात्राएं : सामान्य व्यापार कानून के मुद्दों के व्यावहारिक कानूनी ज्ञान प्राप्त करेंगे. एक वैध अनुबंध की अनिवार्यता को समझेंगे, माल की बिक्री और एक बिक्री अनुबंध और उपचारात्मक उपायों के प्रदर्शन के संबंध में विभिन्न कानूनों की समझ प्राप्त होगी, भारत में उपभोक्ता संरक्षण के लिए विभिन्न कानून के साथ विभिन्न उपभोक्ता मंचों के कार्यसेछात्रों को परिचित होंगे तथा साइबर कानूनों के संबंध में अर्थ और विभिन्न विधानों का भी उन्हें ज्ञान होगा..
6	क्रेडिट मान	6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): L: 3

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारत में व्यावसायिक सन्नियमों की एतिहासिक पृष्ठभूमि, भारतीय अनुबंध अधिनियम 1872-सामान्य उपबंध	
2	हानि रक्षा एवं प्रतिभूति अनुबंध (धारा 124 से 147 तक)	
3	पराक्राम्य विलेख अधिनियम 1881 का सामान्य परिचय तथा संशोधित पराक्राम्य विलेख(संशोधन) अधिनियम २००२ का परिचय	
4	उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 का सामान्य परिचय एवं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम,2018 का परिचय एवं वर्णन फेमा	
5	भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 सीमित देयता साझेदारी अधिनियम,2008,	

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
व्यवहारिक अर्थशास्त्र एवं व्यवसायिक प्रशासन विभाग,
रा. दु. वि. वि., जबलपुर

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम: डिग्री		कक्षा :बी.कॉम	वर्ष: प्रथम	सत्र: 2021-22
विषय:वाणिज्य				
1	पाठ्यक्रम का कोड	C1- COMA 2T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यवसायिक संगठन एवं संचार		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	गौण		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्सलर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद यह उम्मीद की जाती है कि छात्र व्यवसाय की मूल बातें समझ जाएगा और यह समझने में सक्षम होगा कि किसी भी व्यवसाय को सफलतापूर्वक कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है। संचार से संबंधित अध्याय यह स्पष्ट करने में सक्षम होंगे कि आधुनिक व्यावसायिक परिदृश्य में संचार कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):T-T-P:

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	परिचयः भारत के पारम्परिक व्यवसाय और उनकी संगठनात्मक संरचनाएं, व्यापार,व्यवसाय,उद्योग और वाणिज्य की अवधारणा। व्यवसाय ,उद्योग और वाणिज्य का सम्बंध और वर्गीकरण। व्यवसायिक संगठनः अवधारणा ,विशेषताएं एवं उदेश्य। व्यवसाय के कार्य एवं सामाजिक दायित्व। नवप्रवर्तन हेतु आवश्यक कदम।	15
2	व्यवसायिक संगठन के प्रकारः व्यावसायिक संगठनः वर्गीकरण उपयुक्त संगठन के चयन को प्रमाणित करने वाले तत्व। एकल व्यवसाय एवं साझेदारी व्यवसायः अर्थ ,परिभाषा,विशेषताएं ,लाभ। को ,ऑपरेटिव संगठनः अर्थ-कार्य एवं सीमाएं।	15
3	कम्पनी का संगठनः निजी कम्पनी और सार्वजनिक कम्पनी की अवधारणा अर्थ निर्माण ,विशेषताएं एवं औचित्य। बहुराष्ट्रीय कम्पनीयां कार्य और भारत में इनके संगठन में आने वाली चुनौतियां।	15
4	संचारः परिभाषा ,स्वभाव ,महत्व ,उदेश्य। संचार के सिद्धांत एवं प्रक्रियाः जानकारी का सिद्धांत ,इंटरेक्शन ,का सिद्धांत (परस्पर क्रिया)ट्रान्सेक्शन सिद्धांत। संचार प्रक्रिया के आवश्यक तत्व। प्रभावी संचार को प्रमाणित करने वाले तत्व बाधाएं। भाषायी बाधाएं ,मनोवैज्ञानिक बाधाएं ,अन्तरवैयक्तिक बाधाएं ,सांस्कृतिक बाधाएं ,भौतिक बाधाएं ,संगठनात्मक बाधाएं।	15
5	लिखित संचारः लेखन तकनीक एवं निर्देश ,पत्र लेखनः व्यावसायिक पत्रः मूलभूत सिद्धांत ,आशय एवं प्रकार। रिपोर्ट लेखन एवं प्रकार। मौखिक संचारः विभिन्न अवसरों में दिए जाने वाले भाषण ,प्रभावी श्रवण हेतु दिशा निर्देश,नौकरी हेतु साक्षात्कार ,जानकारियों के प्रकार।	15

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
व्यावहारिक अर्थशास्त्र एवं व्यावसायिक प्रशासन विभाग,
रा. दु. वि. वि., जबलपुर

Shakti

6	संचार के आधुनिक आयामः ई-मेल, वीडियो कान्फ्रेंसिंग, विश्व व्यापार हेतु अंतर्राष्ट्रीय संचार।सूचना प्रौद्योगिकी: प्रौद्योगिकी का रूप,आधुनिक संचार प्रणाली में उपयोग। आधुनिक व्यवसाय में सोशल मीडिया की भूमिका।	15

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. लेखक उपनाम, प्रथमाक्षर "पुस्तक शीर्षक", , प्रकाशक नाम, शहर/ संस्करण नं. (यदि कोई हो)।

Text books:

s.n.	Author	Book title	publisher	City	ISBN	
1.	T.N. Chhabra,	Business Communication	Himalaya Publishing House	New Delhi	978-93-5299-181-5	
2	K.K. Sihna,	Essentials of Business Communication	VK Global publications	Faridabad	9380901607	
3	Dr. Ramesh Mangal	Business Communications	Universal Publication Agra			

2.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

भाग द -अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक :25
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

(DR. PAVAN MISHRA)

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष
व्यावहारिक अर्थशास्त्र एवं व्यवसायिक प्रशासन विभाग,
रा. दु. वि. वि., जबलपुर

भाग अ- परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा :बीकॉम	वर्ष::प्रथम वर्ष	सत्र:2021-22
विषय: वाणिज्य -व्यावसायिक अर्थशास्त्र				
1	पाठ्यक्रम का कोड	C1-COMC1T		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	व्यावसायिक अर्थशास्त्र		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	इलेक्टिव		
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो)	सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	व्यावसायिक अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थीगण • आर्थिक गतिविधियों के फलस्वरूप बाज़ार में वस्तुओं की कीमतों में उतार चढ़ाव से परिचितहोंगे, • मांग पूर्ति के सिद्धांत से कीमते एकाएक कम या अधिक क्यों हो जाते है ये ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे • उत्पत्ति के समस्त साधनों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे • जो उन्हें एक अच्छा उद्यमी बनानेपूर्ण प्रतियोगिता,एकाधिकार और अपूर्ण प्रतियोगिता के ज्ञान के साथ इन स्थितियों में कीमत कैसे निर्धारित होती है ये भी जान सकेंगे।		
6	क्रेडिट मान	6		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75		न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह घंटे में): L: 3

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारत मे अर्थशास्त्र की एतिहासिक पृष्ठभूमि कौटिल्य के विशेष संदर्भ मे ,अर्थशास्त्र की परिभाषा व्यष्टिगत एवंसमष्टिगत अर्थशास्त्र की अवधारणा आर्थिक अध्ययन कीरीतियांअर्थशास्त्रके नियम एवं उनकी प्रकृति, अर्थशास्त्र का महत्व, अर्थव्यवस्था की आधारभूत समस्यायें	15
2	मांग की लोच: मांग की लोच की अवधारणा एवं मांग की कीमत, आय एवं आड़ी लोच, औसत आगम, सीमांत आगम तथा मांग की लोच, मांग की लोच का निर्धारण, मांग की मूल्य सापेक्षता का महत्व	15
1	उत्पत्ति के साधन: भूमि, श्रम: श्रम विभाजन श्रम की कार्यकुशलता, पूंजी, संगठन व साहस, उत्पादन का पैमाना, जनसंख्या के सिद्धांत ,	15
4	उत्पादन फलन व प्रतिफल के नियम, पैमाने का प्रतिफल, समोत्पाद वक्र विश्लेषण, बाजार एवं उसका वर्गीकरण, लागत का सिद्धांत व आगम की अवधारणा	15
5	पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण व फर्म का साम्, एकाधिकारकीमत व उत्पादन निर्धारण एवं एकाधिकार नियंत्रण, एकाधिकार के अंतर्गत कीमत विभेद, अपूर्ण एवं एकाधिकृत प्रतियोगि कीमत निर्धारण	15
6	लगानअवधारणा, रिकार्डो का लगान सिद्धांत, लगान का आधुनिक सिद्धांत, आभास लगान, मजदूरी अवधारणा, नगद व असल मजदूरी, मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत, ब्याज अवधारणा एवं ब्याज के सिद्धांत, लाभप्रकृति अवधारणा व लाभ के सिद्धांत.	15

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग: अर्थशास्त्र, अध्ययन कीरीतियां, मांग की कीमत, उत्पत्ति के साधन, लगान,ब्याज

(PROF. PAVAN MISHRA)

डॉ. विनोद कुमार मिश्रा
अध्यक्ष

भाग–अ :परिचय		
कार्यक्रम : प्रमाणपत्र	वर्ष : प्रथम वर्ष	सत्र : 2021–22

पाठ्यक्रम का कोड	V1-COM-GSTT
पाठ्यक्रम का शीर्षक	ई–लेखांकन तथा जीएसटी कराधान सहित
पाठ्यक्रम का प्रकार	व्यावसायिक
पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	सभी संकाय के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध
पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस कोर्स का अध्ययन करने के बाद छात्र सक्षम हो जाएगा– 1. ई–लेखांकन की अवधारणा का ज्ञान प्राप्त करने में। 2. आयकर अधिनियम का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने में। 3. कर योग्य आय की संगणना एवं कर दायित्व के संबंध में जानकारी प्राप्त करने में। 4. वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं क्रियान्वयन का ज्ञान प्राप्त करने में। 5. आपूर्ति की अवधारणा तथा आगत कर की छूट की जानकारी प्राप्त करने में
अपेक्षित रोजगार/ करियर के अवसर	1. आयकर सलाहकार 2. करारोपण शोध विश्लेषक 3. वस्तु एवं सेवाकर–परामर्शदाता 4. जीएसटी निराकरण
क्रेडिट मान	4

B Com (TAX) - V-3

भाग–ब : पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यानों + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1घंटे / प्रैक्टिकल 1 प्रायोगिक घंटा		
व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs		
मॉड्यूल	विषय	घंटे
I	**ई लेखांकन का परिचय :** 1. व्यवसाय तथा पेशे की अवधारणा, लेखांकन के प्रकार, लेखांकन संबंधी नियम। 2. व्यापारिक लेनदेनों का रोजनामचा में सुनहरे लेखांकन नियमों के आधार पर परिवर्तन। 3. खाताबही, परीक्षा सूची एवं अंतिम लेखे की अवधारणा।	10
II	आयकर : 1. आयकर का परिचय : महत्वपूर्ण अवधारणायें एवं परिभाषायें। 2. आयकर के विविध शीर्षकों का सैद्धांतिक ज्ञान। 3. कर योग्य आय की संगणना। 4. कर निर्धारण की प्रक्रिया एवं कर निर्धारण के प्रकार। 5. उदगम स्थान पर कर कटौती एवं कर वापिसी प्रक्रिया।	10
III	वस्तु एवं सेवाकर : 1. परिचय, महत्वपूर्ण शब्दावली। 2. वस्तु एवं सेवाकर की संरचना एवं वर्गीकरण। 3. आगत कर छूट की अवधारणा। 4. आपूर्ति का अर्थ एवं क्षेत्र, स्थान एवं समय। 5. वस्तु एवं सेवा के अंतर्गत कर योग्य मूल्य की गणना।	10
	प्रायोगिक पाठ्यक्रम	
	▪ आई.टी.आर. फाइलिंग ▪ पैन हेतु आवेदन प्रक्रिया ▪ आई.टी.आर. चालान प्रक्रिया ▪ टी.डी.एस. भुगतान ▪ जीएसटी के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन ▪ जीएसटी रिटर्न जमा करना ▪ आगत कर छूट का दावा प्रविधि	**30**

(Dr. Neeraj Kashani)

(Dr. R.K. Patel)